पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड की

ति. - 3- वि. व. 18-19

Prabhudas Lilladher
POWERING YOUR FINANCIAL GROWTH

कान्फ्रेंस कॉल

11 फरवरी, 2019

कान्फ्रेंस कॉल

11 फरवरी, 2019

प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड की टीम : -

- **श्री राजीव शर्मा - अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक**
- **श्री सी. गंगोपाध्याय - निदेशक (परियोजना)**
- **श्री एनबी गुप्ता - निदेशक (वित्त)**
- **श्री पीके सिंह - निदेशक (वाणिज्यिक)**

मॉडरेटर : श्री प्रीतेश बंब - प्रभुदास लीलाधर प्रा. लिमिटेड

ऑपरेटर :

देवियों और सज्जनों, आपका दिन शुभ हो और प्रभुदास लीलाधर प्रा. लिमिटेड द्वारा प्रायोजित पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड की ति. 3 वि. व. 2019 के अर्जन सम्मेलन में आपका स्वागत है।

एक अनुस्मारक के रूप में अवगत कराना चाहता हूं कि सभी प्रतिभागी लाइनें केवल सुनने की विधा (लिसिन ओनली मोड) में होंगी और प्रेजेंटेशन समाप्त होने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर दिया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि इस कान्फ्रेंस कॉल को रिकॉर्ड किया जा रहा है।

अब मैं प्रभुदास लीलाधर प्रा. लि. से श्री प्रीतेश बंब को इस कांफ्रेंस कॉल के संचालन का दायित्व सौंपता हूं। आप सभी का धन्यवाद और आपको पुन: धन्यवाद।

श्री प्रीतेश बंब - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड

धन्यवाद, रियो।

हाय, सभी को नमस्कार, हम पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंधन का स्वागत करना चाहेंगे। इस कांफ्रेंस कॉल में हमारे बीच उपस्थित हैं सीएमडी, श्री राजीव शर्मा और वरिष्ठ प्रबंधन के अन्य सदस्य हैं। प्रबंधन हमें परिणामों की प्रमुख विशेषताओं के बारे में अवगत करवाएगा और फिर हम प्रश्नोत्तर की ओर बढ़ेंगे।

महोदय आपका धन्यवाद और आप आगे की कार्रवाई संभालें।

प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन

आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद, शुभ दोपहर (नमस्कार)। मैं इस कान्फ्रेंस कॉल में आप सभी का स्वागत करता हूं।

मैंने वित्त वर्ष 18-19 की तीसरी तिमाही में पीएफसी के वित्तीय और प्रचालनात्मक कार्यनिष्पादन और अधिग्रहण सौदे (डील) पर की गई प्रगति और आगे बढ़ने के लिए भावी कार्य योजनाओं के बारे में आपके साथ जानकारी साझा करने के लिए यह कान्फ्रेंस कॉल बुलाई है।

सबसे पहले, मैं पीएफसी के कार्यनिष्पादन की प्रमुख विशेषताएं आपके साथ साझा करूंगा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने अपने लाभ में 71% की महत्वपूर्ण छलांग दिखाई है और यह साल दर साल आधार पर 1,217 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,076 करोड़ रुपए हो गया है। यहां तक कि वित्त वर्ष 18-19 के 9 महीनों के लिए हमारे लाभ में 35% की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है और यह 3,565 करोड़ रुपए से बढ़कर 4,804 करोड़ हो गया है।

हमारा ब्याज विस्तार 18 बीपीएस के साथ पिछली तिमाही में 2.50% की तुलना में बढ़कर 2.68% हो गया है। हमारा शुद्ध ब्याज मार्जिन 9 बीपीएस के साथ पिछली तिमाही में 3.33% की तुलना में बढ़कर 3.42% हो गया।

मुझे आपको यह सूचित करते हुए कि हमारा पूंजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक की 15% की आवश्यकता की तुलना में पिछली तिमाही में 1% की वृद्धि हुई है और यह लगभग 19% हो गया है, यह भी नोट करना उल्लेखनीय है कि हमारी टियर-। पूंजी आरबीआई की 10% की आवश्यकता की तुलना में लगभग 16% है।

अब मैं अपनी ऋण परिसंपत्ति बही के बारे में स्पष्ट करता हूं। हमारे पास कुल लगभग 2.98 लाख करोड़ रुपए का ऋण परिसंपत्ति पोर्टफोलियो है, जिसमें से,

- सरकारी क्षेत्र के ऋणकर्ता जो हमारी ऋण बही में 82% का योगदान करते हैं, नियमित रूप से अपनी देय राशियों का भुगतान कर रहे हैं।
- इसलिए हमें सरकारी क्षेत्र के ऋणकर्ताओं के संबंध में कोई तनाव नहीं दिखता है।
- निजी क्षेत्र के मामले में हमारा जोखिम (एक्सपोज़र) लगभग 51,700 करोड़ रुपए है -
    - निजी क्षेत्र को दिए गए लगभग 28,200 करोड़ रुपए के ऋण एनपीए या चरण III परिसंपत्ति हैं
    - एक इन 27 परियोजनाओं के विरुद्ध 52% प्रावधान पहले से ही किया जा चुका है।

जैसा कि हमारी पिछली कान्फ्रेंस कॉल में बताया गया था कि हमारी कुछ परिसंपत्तियां तनावग्रस्त है, मुझे यह साझा करने में खुशी है कि इस तिमाही में हमारी कोई भी नई एनपीए या स्टेज III परिसंपत्ति नहीं बढ़ी है । तदनुसार, इस तिमाही में हमारे शुद्ध एनपीए में सुधार हुआ है।

जैसा कि आपके साथ पहले साझा किया गया था 811 करोड़ रुपए ऋण वाली जीवीके रैटले परियोजना का समाधान कर लिया गया है और ऋणकर्ता नियमित रूप से देय राशियों का भुगतान कर रहा है, इसलिए इस वित्तीय वर्ष के ति. 4 में इस खाता के अपग्रेड होने की संभावना है।

अब मैं आपके साथ कुछ प्रमुख तनावग्रस्त परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी साझा करूंगा।

- 1,500 करोड़ रुपए के कुल जोखिम (एक्सपोज़र) वाली 3 परियोजनाओं में हम उम्मीद करते हैं कि 100% मूलधन की वसूली के साथ एकबारगी समाधान (वन-टाइम सेटलमेंट) हो जाएगा, जहाँ 15% का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है।

  क) डीएएनएस एनर्जी और शीगा एनर्जी के लिए - हम चर्चा के उन्नत चरणों पर हैं और शीघ्र ही इस प्रक्रिया को बंद किए जाने की संभावना है।
  ख) एस्सार ट्रांसमिशन परियोजना, ओटीएस प्रस्ताव प्राप्त हो चुका है और ऋणदाता उसके लिए अनुमोदन प्राप्त कर रहे हैं।

- 2,845 करोड़ रुपए के जोखिम (एक्सपोज़र) वाली 2 परियोजनाएं समाधान के उन्नत चरण पर हैं और इसी वित्तीय वर्ष में उनके बंद होने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं निम्नलिखित हैं:

  क) रतन इंडिया अमरावती - इस परियोजना में ओ टी एस प्रस्ताव ऋणदाताओं द्वारा स्वीकार कर लिया गया और रतन इंडिया को 5 फ़रवरी 2019 को एलओआई जारी किया गया है। हमें उम्मीद है कि इस सौदे को इसी वित्तीय वर्ष के भीतर बंद कर लिया जाएगा। हमारा मानाना है कि इस मद में पहले से ही पर्याप्त प्रावधान कर लिया गया है और हमें कुछ उलटफेर की भी उम्मीद है।

  ख) जीएमआर छत्तीसगढ़ - इस परियोजना में 82% ऋणदाताओं ने पहले ही प्रबंधन के प्रस्ताव में परिवर्तन के लिए मंज़ूरी दे दी है। हम इस संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि जैसे अन्य ऋणदाता भी सहमत हो जाएं और वे अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। मैं यह बताना चाहूंगा कि इस मद में पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

- तीन परियोजनाओं में सकारात्मक विकास हुआ है जिसे मैं आपके साथ साझा करना चाहता हूं।

  क) रतन इंडिया नासिक - कुछ क्षमाता के लगभग 38% अर्थात 507 मेगावाट के लिए पीपीए जिस पर पहले से मुकदमेबाजी चल रही थी और अब इसके लिए एमईआरसी की मंजूरी मिल गई है। इससे स्थायी कर्ज बढ़ाने में मदद मिलेगी।

  ख) इंड - बराथ, उत्कल - हमने 6 कंपनियों से अभिरुचि की अभिव्यक्ति प्राप्त की है । सभी 6 बोलीदाताओं को अर्हक पाया गया और आरएफपी को अंतिम रूप दिया गया। हम जल्द ही आरएफपी प्रकाशित करेंगे। इस परियोजना के लिए पहले से ही किया गया प्रावधान 48% है।

  ग) एस्सार महान - हमें मौजूदा प्रबंधन से एकबारगी समाधान का प्रस्ताव मिला है। ऋणदाताओं को अब मौजूदा प्रमोटर द्वारा दिए गए ओटीएस की तुलना में एक अन्य गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव मिला है। ऋणदाता प्रस्ताव की जांच कर रहे हैं। बोलीकर्ता इसके प्रचालन के संबंध में एक महत्वपूर्ण तालमेल (सहक्रिया) देखता है। इस परियोजना के लिए पहले से किया गया प्रावधान 53% है, जो पर्याप्त है।

- 4,064 करोड़ रुपए के कुल जोखिम (एक्सपोज़र) वाली दो परियोजनाएं हैं, मैं, जिनके बारे में कुछ अपडेट साझा करना चाहूंगा।

  क) झाबुआ पावर - सफल बोलीदाता शर्तों का अनुपालन करने में असमर्थ था और ऋणदाताओं ने एलओए को रद्द कर दिया था । ऋणदाताओं ने अब फिर से बोली लगाने का फैसला किया है। इस परियोजना के लिए पहले से किया गया प्रावधान 36% है, जो हमारे अनुसार पर्याप्त है।

  ख) केएसके महानदी - ऋणदाताओं ने एनसीएलटी से संपर्क करने का फैसला किया। पीपीए के संबंध में यूपी की विद्युत वितरण कंपनियों के साथ वार्ता चल रही है, जो विद्युत के उच्च निर्धारण में मदद करेगा। जैसा कि बोली प्रक्रिया के तहत परिकल्पित किया जा रहा था, हमें उसी के अनुरूप लगभग 47% की वसूली की उम्मीद है।

- 1440 मेगावाट की कुल क्षमता में से आरकेएम पावरजेन (चरण 1 और 2) में हमारा जोखिम (एक्सपोज़र) 5155 करोड़ रुपए है,

- 350 मेगावाट के लिए यूपी डिस्कॉम के साथ पीपीए पहले से ही चालू है
- पायलट पीपीए योजना के तहत 550 मेगावाट के लिए पीपीए शीघ्र ही प्रचालित किया जाएगा।
- छत्तीसगढ़ राज्य के साथ 393 मेगावाट के लिए पीपीए - छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के तत्वावधान में इस मुद्दे को हल किया जा रहा है।

इसके साथ इस परियोजना के पास 90% क्षमता के लिए पीपीए उपलब्ध हो जाएगा, जिससे परियोजना के मूल्यांकन में सुधार होने की उम्मीद है।

जैसा कि हमने पहले भी कहा है, प्रावधान के संदर्भ में हमारा मानना है कि किसी तनावग्रस्त परिसंपत्ति पर होने वाले नुकसान को अवशोषित करने के लिए हमारा कवरेज प्रावधान पर्याप्त है, जिसका समाधान किया जा रहा है।

जैसा कि आप जानते हैं कि हमारी 3 परियोजनाएँ पीपीए की प्रायोगिक योजना के तहत पीपीए प्राप्त करने में सफल रहीं। अब सरकार ने पायलट पीपीए चरण II योजना शुरू करने का फैसला किया है जिसके लिए पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड को फिर से नोडल एजेंसी बनाया गया है। यह योजना तनावग्रस्त परियोजनाओं का तनाव दूर करने में बहुत मदद करेगी।

भारत और सभी हितधारकों द्वारा उठाए गए आवश्यक कदमों से और बिजली की मांग में होने वाली संभावित वृद्धि के साथ हमें आशा है कि तनावग्रस्त परियोजनाओं का आगे चलकर बेहतर मूल्यांकन होने की संभावना है।

अब मैं आपको आरईसी में भारत सरकार की हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए लेनदेन की स्थिति के बारे में एक अपडेट दूंगा।

- हमें संबंधित पक्ष के लेनदेन के संबंध में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।
- हमें भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से भी मंजूरी मिल गई है।
- हमें जल्द ही आरबीआई से अनुमोदन प्राप्त होने की उम्मीद है।
- यह सौदा आंतरिक संसाधनों और / या बाजार से ऋण के मिश्रण से वापसी तौर पर किया जाना है।

- लेन-देन की कीमत को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है और इसके लिए सेबी के दिशानिर्देश लागू होंगे।

मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं कि हमारे पूंजी अनुपात अनुमेय नियामक आवश्यकताओं के भीतर बने रहें।

इसके अलावा मैं अधिग्रहण समझौते के संबंध में कुछ मुद्दों को और स्पष्ट करना चाहूंगा।

- क्रेडिट रेटिंग के मोर्चे पर मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि अधिग्रहण सौदे यानी कि पीएफसी द्वारा आरईसी के अधिग्रहण की घोषणा के बाद कुछ रेटिंग एजेंसियों ने पीएफसी की रेटिंग पर नज़र बनाए रखी है। हमने रेटिंग एजेंसियों के साथ बातचीत की है और उन्होंने संकेत दिया है कि सौदे की बारीकियों और इसके प्रभाव के बारे में कोई डेटा उपलब्ध नहीं है, इसलिए उन्होंने रेटिंग पर नजर बनाए रखी है। जब कभी भी इसके प्रभावों और इसके प्रबंधन के लिए रोडमैप के पीएफसी द्वारा विश्लेषण के साथ साथ डील के बारे में विशिष्ट डाटा उपलब्ध हो जाते हैं, तब रेटिंग एजेंसियां इसकी समीक्षा करेंगी और रेटिंग की कार्रवाई के साथ सामने आएंगी।

- मैं यहाँ इस बात को उजागर करना चाहूंगा कि अगर आप हमारे प्रयासों के आधार पर पीएफसी के पूंजी पर्याप्तता अनुपात देखते हैं, तो पाएंगे कि हमने लगभग 19% की वर्तमान पूंजी के साथ पिछली 2 तिमाही में पूंजी पर्याप्तता में लगभग 1.2% तक का सुधार किया है। आप यह भी देख सकते हैं कि पीएफसी के साथ-साथ आरईसी ने भी इस तिमाही में अपने पूंजी पर्याप्तता अनुपात में लगभग 70 बीपीएस की वृद्धि की है।

- हम आशावादी हैं, हमारे द्वारा किए जा रहे उपायों के बावजूद भी; हम अपने पूंजी स्तरों को नियामक ढांचे के तहत निर्धारित सीमा के अनुसार बनाए रखेंगे।

- उधार लेने के मोर्चे पर हमारी उधारियों पर महत्वपूर्ण मीडिया रिपोर्टें आती रही हैं। इस संदर्भ में, मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि पीएफसी ने पिछले कुछ महीनों में बांड बाजार में हाथ नहीं आजमाए (टैप) हैं क्योंकि एनबीएफसी के उत्तरवर्ती

आईएल एंड एफएस प्रकरण में कम विश्वास और साथ ही साथ दिसंबर 2018 में सरकार द्वारा पीएफसी और आरईसी के अधिग्रहण संबंधी सौदे की घोषणा के कारण बांड बाजार एक विशेष प्रीमियम पर कूपन के साथ अस्थिर बना हुआ था।

इस संबंध में, मैं आपको बता दूं कि पीएफसी विभिन्न स्रोतों जैसे कि बॉन्ड, बैंकों से सावधि ऋण और धन जुटाते समय सबसे सस्ते स्रोतों से धन जुटाता आ रहा है। पिछली तिमाही में हमने बाजार से बहुत ही प्रतिस्पर्धी लागत पर 25,000 करोड़ रुपए से भी अधिक की धनराशि जुटाई और पिछली तिमाही में 14,000 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि संवितरित की। हमारा 9 महीने का संवितरण भी पिछले साल में 37,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 45,000 करोड़ रुपए से भी अधिक है।

इसलिए, हम अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमारे उधार (ऋण) कार्यक्रम में कोई समस्या प्रतीत नहीं होती हैं; हमारे पास धन उधार लेने के लिए एक अन्य वैकल्पिक स्रोत के रूप में ईसीबी बाजार भी है।

अब हम सवालों के लिए आगे बढ़ते हैं।

प्रश्न एवं उत्तर

- जी, ज़रूर। बहुत-बहुत धन्यवाद, हम अब प्रश्न और उत्तर सत्र शुरू करेंगे। पहला प्रश्न फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस के सृज़न सिन्हा की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- धन्यवाद, श्रीमान, मेरा प्रश्न लेने के लिए। महोदय मेरा प्रश्न आपकी पूंजी पर्याप्तता के संबंध में है, मुझे यकीन है कि आपने आरईसी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के बाद अपनी पूंजी पर्याप्तता की कुछ गणनाएं अवश्य की होंगी। आपकी पूंजी पर्याप्तता विशिष्ट रूप से टियर 1 पूंजी पर्याप्तता किस तरह से दिखेगी?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- जैसा कि हमने उल्लेख किया है कि अभी हमारे पास टियर 1 के लिए लगभग 16% की पूंजी पर्याप्ता है। चूंकि पीएफसी - आरईसी सौदे के लिए मूल्य निर्धारण

को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, मैं आपको आंकड़े अभी नहीं बता सकता हूं। परन्तु मैं आपको आश्वस्त करता है कि इस सौदे के बाद हमारी पूंजी पर्याप्तता, विशेष रूप से टियर 1 के लिए निश्चित रूप से 10% की नियामक आवश्यकताओं की तुलना में बहुत अधिक हो जाएगी।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- आपको टियर 1 इक्विटी पूंजी जुटाने की कोई आवश्यकता महसूस नहीं होती है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- जी नहीं, तुरंत नहीं।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है। मेरा मतलब है, यह मानते हुए कि सौदा मौजूदा बाजार मूल्य पर होता है जो आरईसी के लिए लगभग 120 रुपए है, ऐसी स्थिति में क्या आपने इसके आधार पर कुछ परिदृश्य तैयार किया है और आपको मिलने वाली न्यूनतम पूंजी पर्याप्त होगी।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- देखें कि हमने सभी परिदृश्यों का विश्लेषण किया है और मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारी पूंजी पर्याप्तता निश्चित रूप से नियामक आवश्यकताओं की तुलना में बहुत अधिक होगी।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है, क्या आप नियामक आवश्यकताओं के बारे में अवगत कराने में मेरी मदद कर सकते हैं। ऐसा है कि आप अपने नेट वर्थ के 10% से अधिक का कोई भी भुगतान करते हैं, तो उसे पूंजी की गणना करते समय आपके नेट वर्थ से घटा दिया जाता है। क्या यह सच है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- जी, हाँ। य़ह सही है।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- तो उस स्थिति में, मेरी गणनाओं के अनुसार आप 11 - 11½% के बहुत करीब पहुंच जाएंगे। मुझे लगता है कि हमें कुछ इस प्रकार से ही देखना चाहिए?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- जैसा मैंने उल्लेख किया है कि हमें केवल 10% टीयर I पूंजी की आवश्यकता है। अपनी वर्तमान और व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखने के लिए निश्चित रूप से हम 10% की सीमा से बहुत ऊपर होंगे।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- महोदय मेरा दूसरा प्रश्न रतन इंडिया अमरावती के संबंध में है। वन टाइम सेटलमेंट ऑफर, जो हमें मिला है, के विरुद्ध हम क्या कार्रवाई करने को सोच रहे हैं और ऊंट किस करवट बैठेगा।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- वास्तव में हम 64% तक के मूलधन की वसूली करेंगे।

- **श्री सृज़न सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है, 36% तक मान लें। और महोदय एक अंतिम प्रश्न यह है कि आरईसी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के बाद आपकी योजनाएं क्या हैं, क्या आप दोनों के व्यवसायों को एकीकृत करने और उनका एक समेकित इकाई के रूप में विलय करने की योजना बना रहे हैं या फिर आप उन्हें अलग से ही प्रचालित करना चाहते हैं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- प्रारंभ में यह केवल अधिग्रहण होगा और बाद में इसका विलय कर दिया जाएगा लेकिन इसमें समय लगेगा।

- **श्री सृजन सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- इसका अर्थ यह है कि भविष्य में यानी अगले 12-18 महीनों में आप उनका विलय नहीं देख रहे हैं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- देखिए विलय के लिए अभी हमें अलग-अलग प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इसके अलावा, जब हम कार्रवाई शुरू करते हैं, तो यह कार्य विद्युत मंत्रालय और डीआईपीएएम के परामर्श से किया जाएगा।

- **श्री सृजन सिन्हा - फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस**

- ठीक है, बहुत बहुत धन्यवाद, इसके लिए आपका धन्यवाद।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- आपका बहुत बहुत शुक्रिया।

- **ऑपरेटर :**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न गोपानी सिक्योरिटीज इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के हरीश गोपानी की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।

- **श्री हरीश गोपानी - गोपानी सिक्योरिटीज इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड**

- नमस्ते, इस अवसर के लिए धन्यवाद, पीएफसी एक नवरतन कंपनी है इसलिए इस वर्ष लाभांश संवितरण क्या होगा।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- देखिए अभी हमने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया है और जब भी निदेशक मंडल (बोर्ड) निर्णय लेगा हम आपको सूचित करेंगे । इस संबंध में मैं कोई भी टिप्पणी नहीं कर सकता हूं क्योंकि लाभांश तय करने का विशेष अधिकार निदेशक मंडल के पास होता है।

- **श्री हरीश गोपानी - गोपानी सिक्योरिटीज इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड**

- लेकिन नवरतन कंपनी के रूप में इसे अपने मुनाफे का 30% लाभांश घोषित करना अनिवार्य है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- ऐसा डीआईपीएएम के दिशानिर्देशों के अनुसार सही है, लेकिन हम सब कुछ के सभी सकारात्मक - नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करेंगे और फिर हम उस के बारे में निर्णय लेंगे।

- **श्री हरीश गोपानी - गोपानी सिक्योरिटीज इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड**

- ठीक है शुक्रिया।

- **ऑपरेटर :**

- धन्यवाद, अगला प्रश्न इक्वाइरस सिक्योरिटीज के अंकित चौधरी की लाइन से है, कृपया आगे बढ़ें।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वाइरस सिक्योरिटीज**

- पहला प्रश्न डेरिवेटिव के उचित मूल्य में परिवर्तन से इस शुद्ध लाभ के संबंध में पी एंड एल में इस लेखांकन बरताव के बारे में है। यह आंकडा आय के साथ साथ व्यय दोनों के ही संदर्भ में ति. 1, ति. 2 और फिर से ति. 3 में काफी अस्थिर रहा है। इसलिए क्या आप सिर्फ लेखांकन के संबंध में मेरी यह मदद कर सकते हैं कि हम इस बात को गणना में कैसे लेते हैं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- देखिए, डेरिवेटिव का उचित मूल्य निकालने के लिए, हम काउंटर पार्टियों के मूल्यांकन को लेते हैं। परन्तु आप देखते हैं कि सितंबर की तुलना में क्या हुआ है, यूएसडी दर कम हो गई है। सितंबर के महीने में यह 72 के आसपास थी जो दिसंबर में घटकर लगभग 69 पर आ गई है। इस प्रकार जब हम सितम्बर, 18 के साथ तुलना करते हैं, तो आप देखें कि हमारी विनिमय दर में हमें लाभ हुआ है। हालांकि, ति. 3 के दौरान डेरिवेटिव पर विनिमय दर का लाभ और एमटीएम का शुद्ध लाभ ति. 2 में 260 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग शून्य है।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- इसलिए पहले अगर मैं ति. 2 में डेरिवेटिव के बारे में बात करता हूं तो इसमें कोई नुकसान नहीं था, इसलिए अंततः ति. 2 में 388 करोड़ का लाभ हुआ, जबकि ति. 3 में कोई लाभ नहीं हुआ, वहां लगभग 361 करोड़ का नुकसान हुआ। इसलिए मैं लेनदेन विनिमय के नुकसान के बारे में बात नहीं कर रहा हूं, मैं सिर्फ डेरिवेटिव के उचित मूल्य में परिवर्तन के बारे में बात कर रहा हूं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- हाँ, हम केवल इन लेन-देन पर ही उचित मूल्य को आगे ले जाते हैं। यह काम हमारे बैंकरों द्वारा किया जाता है और जब कभी भी आंकड़े निकाले जाते हैं, हम अपने अपने खातों में उपलब्ध कराते हैं।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- ठीक है, इसलिए ये डेरिवेटिव, जो हम कर रहे हैं, वे विदेशी उधारी के विरुद्ध हेज होते हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- पीएफसी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के विरुद्ध हेजिंग की जाती है। इस तरह के हेज अर्थात एमटीएम और विदेशी मुद्रा देयताओं पर परिवर्तन हानि / लाभ के उचित मूल्य में किसी परिवर्तन को भारतीय मानक (IND - AS) के अनुरूप लाभ और हानि (P & L) खाते में अलग से दर्शाया जा रहा है।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- इसलिए, महोदय, हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से व्युत्पन्न लिखत ऐसे हैं, जहां हम इसके एमटीएम बना रहे हैं।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- अंतर्निहित देनदारियों के विरुद्ध।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- और अभी इन अंतर्निहित देनदारियों पर बकाया राशि क्या होगी।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- आप हेज लेनदेन चाहते हैं?
- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**
- डेरिवेटिव के लिए।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- 1800 मिलियन।
- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**
- यूएसडी।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- जी, हाँ।
- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**
- ठीक है और अंतिम रूप से, इस प्रकार कुल निजी क्षेत्र के ऋण में से वर्तमान में कितने प्रतिशत ऋण नियमित रूप से चुकाए जा रहें हैं।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- कुल ऋण परिसंपत्तियों में से 82% सरकारी क्षेत्र और लगभग 8% निजी क्षेत्र के ऋण नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं।
- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**
- इस प्रकार कुल 90% नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हाँ।
- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- तिमाही के दौरान केवल एक बात यह है कि हमने चरण । & ॥ परिसंपत्तियों पर प्रावधान का प्रत्यावर्तन देखा है, इसलिए बस मैं यह समझने का प्रयास कर रहा हूं कि यह पूर्वानुमान या कुछ ऐसी परिसंपत्तियों में परिवर्तन के कारण हुआ है जो स्टेज 2 से चरण 1 में चली गई हैं, जिसकी वजह से है प्रावधान को बट्ठे खाते डालना पड़ा है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- देखिए, वर्ष 2016-17 में हमने छत्तीसगढ़ सरकार की एक परियोजना को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया है। इसलिए यह वर्ष 2017-18 में एनपीए की श्रेणी से बाहर आई और अब पुनर्गठन श्रेणी में स्थानांतरित हो गई।

- एक साल पूरा होने के बाद अब यह पुनर्गठन श्रेणी से भी बाहर आ गई है। इसीलिए प्रावधान को प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- ठीक है, और महोदय इस खाते की मात्रा क्या थी?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- मुझे लगता है कि बकाया राशि लगभग 6300 करोड़ रुपए थी और प्रावधान 260 करोड़ रुपए के लिए किया गया था।

- **श्री अंकित चौधरी - इक्वावइरस सिक्योरिटीज**

- 260, ठीक है, बहुत बहुत धन्यवाद, महोदय।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

- **ऑपरेटर :**

- धन्यवाद, अगला प्रश्न फर्स्ट रैंड बैंक से श्री गौरव गवानी का है, कृपया आगे बढ़ें।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- हाय, सर, इसलिए मेरा प्रश्न स्टेज 2 परिसम्पत्यिों के बारे में होगा, स्लाइड शो में आपने स्टेज 1 और स्टेज 2 परिसम्पत्यिों का संयुक्त आंकड़ा दिखाया है। इसलिए चरण 2 की परिसम्पत्यिां कितनी होंगी और उनमें किस तरह की परिसम्पत्तियां शामिल हैं?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- हम ऐसी परिसंपत्तियों को स्टेज 2 के रूप में वर्गीकृत करते हैं, जब उनके भुगतान में 30 दिनों से अधिक का विलंब होता है।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- तो चरण 2 की परिसंपत्तियां कितनी है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- यह लगभग 7000 करोड़ रुपए हैं, लेकिन उन्होंने अपनी बकाया राशियों का भुगतान कर दिया है। दिसंबर माह के अंत में वे स्टेज 2 पर थीं क्योंकि वहां 30 दिनों से अधिक की देरी थी। इसीलिए, 7000 करोड़ रुपए की इन परिसम्पतियों को स्टेज 2 के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- तो क्या यह निजी क्षेत्र या राज्य सरकार का ऋणकर्ता है?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- लगभग 65% राज्य सरकार है और 35% निजी क्षेत्र है।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- और, महोदय, क्या आगे भी ऐसी कोई संभावना है कि इनमें से कुछ निजी ऋणकर्ताओं को हमें स्टेज 2 को स्टेज 3 परिसंपत्ति के रूप में खिसकते हुए देखना पड़े।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- नहीं। क्योंकि उन सभी ने जनवरी के महीने में भुगतान कर दिया गया है।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- मैं समझता हूं कि वहां 30 दिनों की देरी थी, इसलिए आगे जाने पर और देरी हो सकती है। इसलिए क्या इस बात की संभावना है कि कोई परिसंपत्ति स्टेज 3 में स्थानांतरित हो जाए।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- देखिए, यह मुख्य रूप से इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें डिस्कॉम के पैसे कब मिलते हैं। कभी कभी, वहाँ पैसे प्राप्त करने में देरी हो जाती है, इसीलिए पीएफसी की अदायगी में देरी होती है। किंतु हम इस बात पर जोर नहीं देते हैं कि इन परियोजनाओं पर कोई तनाव होने वाला है या भुगतान में देरी होने वाली है । हमें नहीं लगता है कि पुनर्भुगतान पर कोई तनाव होने वाला है।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- और, महोदय, जैसा कि आपने पहले उल्लेख किया था कि ति. 3 के दौरान प्रावधानों को प्रत्यावर्तित किया गया, इसलिए क्या आगे भी प्रावधानों को प्रत्यावर्तित किया जाना है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- जैसा कि सीएमडी ने पहले ही एक संपत्ति का उल्लेख किया है जिसे हम ...

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- मैं समझता हूँ, बीच में रोकने के लिए माफ करिएगा, मैं ति. 3 दौरान प्रत्यावर्तित किए जाने की बात समझता हूं, लेकिन यह तो भविष्य में किया जाने वाला प्रत्यावर्तन है।

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- मैं ति. 4 के बारे में ही बात कर रहा हूं। हमने पहले से ही तय कर लिए है और यह ऋणकर्ता नियमित रूप से भुगतान कर रहा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि प्रत्यावर्तन ति. 4 में होगा।

- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**

- और कितनी मात्र है, महोदय।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- यह लगभग 600 करोड़ रुपए हो सकता है।
- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक**
- और आपके निजी क्षेत्र के मानक ऋणकर्ताओं के बारे में 7 से 8%, जिनके पास सबसे बड़ा जोखिम (एक्सपोज़र) होगा?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- यह 2 x 600 मेगावाट, एम बी पावर के रूप में होगी।
- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक:**
- और कितना?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- एम बी पावर एक्सपोजर लगभग 2,500 हो सकता है ... कितना? हम आपको बताएंगे (1300 करोड़ रुपए)।
- **श्री गौरव गवानी - फर्स्ट रैंड बैंक:**
- पक्का निश्चित ही। धन्यवाद महोदय। मेरी तरफ से है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न लोम्बार्ड ओडियर एसेट मैनेजमेंट के लव शर्मा की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री लव शर्मा - लोम्बार्ड ओडियर एसेट मैनेजमेंट :**
- नमस्ते। समय देने के लिए धन्यवाद। मैं केवल आरईसी के अधिग्रहण के संबंध में कुछ जांनना चाहता था। मैं मूल रूप से उनके यूएस डॉलर बॉन्ड के लिए क्लॉज को सही ढंग से समझना चाहता हूं। क्या आप इस बारे में अपडेट कर सकते हैं, अगर कंपनी को उन बांडों को वापस खरीदने की आवश्यकता होती है तो कंपनी क्या करने की कोशिश करेगी, इसके संदर्भ में क्या प्रगति की गई है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- क्या आप अपना प्रश्न दोहरा सकते हैं?

- **श्री लव शर्मा - लोम्बार्ड ओडियर एसेट मैनेजमेंट :**
- यह मूल रूप से आरईसी के यूएस डॉलर बॉन्ड्स के बारे में है। इसलिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन द्वारा अधिग्रहण के बाद, उन बॉन्ड्स पर नियंत्रण प्रावधान में बदलाव होना चाहिए, जिसमें तेजी लाई जानी चाहिए। और इसलिए, कंपनी के दृष्टिकोण से क्या यह वही चीज है जिसके बारे में आप चिंतित हैं? क्या उन बॉन्ड को खरीदने की योजना है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हम समाधान कर लेंगे, लेकिन यह प्रक्रिया पहले से ही चालू है। उन्होंने बैंकरों को नियुक्त किया है। डीआईपीएएम द्वारा इस प्रक्रिया की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- वे सभी बांड धारकों से सहमति प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं।
- **श्री लव शर्मा - लोम्बार्ड ओडियर एसेट मैनेजमेंट:**
- ठीक है। तो मेरी समझ यह है कि अनिवार्य रूप से बांडों की पुन: खरीद की जानी चाहिए?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- जरुरी नहीं है। वह आरईसी तय करेगा। लेकिन वे सभी बॉन्ड धारकों से सहमति लेने पर काम कर रहे हैं।
- **श्री लव शर्मा - लोम्बार्ड ओडियर एसेट मैनेजमेंट:**
- ठीक है, काफी उचित है। धन्यवाद महोदय।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न दाइवा कैपिटल के पुनीत श्रीवास्तव की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल :**
- नमस्कार महोदय। मेरा पहला प्रश्न अधिग्रहण पर है। अधिग्रहण के बाद, आप मूल रूप से पावर सेक्टर के बदलते परिदृश्य में धनराशि उधार देने में प्रतिस्पर्धात्मक गतिशीलता को कैसे देखते हैं, क्योंकि एक संयुक्त आधार पर आप तुलनात्मक रूप से एक बहुत बड़ी इकाई होंगे। क्या आप उस पर सकारात्मक तथ्यों को उजागर कर सकते हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- सकारात्मक तथ्य यह होगा कि तनावग्रस्त परिसंपत्तियों को हम संयुक्त रूप से हल कर सकते हैं। क्योंकि अभी निर्णय लेने की प्रक्रिया बहुत लंबी है। अब अगर आरईसी और

पीएफसी साथ साथ चलते हैं, तो हम त्वरित निर्णय ले सकते हैं। और इस क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में व्यापार उपलब्ध है। आरईसी ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र को फंडिंग के मामले में अग्रणी है और हम जेनरेशन क्षेत्र को फंडिंग के मामले में अग्रणी हैं। इसलिए हम एक दूसरे से सीख सकते हैं। इसलिए, पीएफसी ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन क्षेत्र को फंडिंग में अपना हिस्सा बढ़ा सकता है और आरईसी जनरेशन क्षेत्र को फंडिंग में अपना हिस्सा बढ़ा सकता है। इस प्रकार से वहां बेहतर तालमेल होगा। इसलिए हम संयुक्त रूप से उन राज्यों में प्रयास कर रहे होंगे जहां हम अभी तक अतिरिक्त व्यवसाय लाने में सक्षम नहीं रहे हैं।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल :**
- ठीक है श्रीमान। और टैक्स के मोर्चे पर सिर्फ एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। इस तिमाही में कर की दर में काफी कमी आई है। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि इन्हें बट्टे खाते में डाला गया हैं, ये उचित मूल्य लाभ प्रतीत होते हैं। इस तिमाही में कर की दरें कैसे कम हो गई है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हम सिर्फ इस बात की जाँच कर रहे हैं। देखिए, कर की औसत दर लगभग 27% आ रही है, मुझे लगता है कि सभी तिमाहियों में ऐसा ही होता है। हम लगभग 27% का ही प्रावधान करते हैं।
- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल :**
- तो पूरे वर्ष में, क्या आप इसे उसी स्तर के आस पास बने रहने की उम्मीद करते हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हाँ, लगभग 27% ही। क्योंकि स्तर 30% है और तब हमें कुछ लाभ मिलते हैं जैसे कि संदेहास्पद ऋणों के लिए आरक्षित निधियां इत्यादि। इसलिए अंततः शुद्ध प्रभावी कर की दर लगभग 27% है।
- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल :**
- ठीक है। क्षमा करें, निधियों की लागत पर एक और प्रश्न। ऐसा लगता है कि निधियों की लागत के मद में अच्छा काम किया गया है, तिमाही के दौरान इसमें मामूली कमी आई है। महोदय इसके लिए कोई कारण है? ऋणमोचन के कारण या किसी अन्य चीज़ के कारण, जिसकी वजह से निधियों की लागत कम हुई है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, इस तिमाही के दौरान हमने लगभग 18,000 करोड़ रुपए का पुनर्भुगतान किया है, जिस पर 8.50% की औसत ब्याज दर लागू होती है। और हमारी उधारी काफी सस्ती दरों पर है। इसलिए संयुक्त रूप से निधियों की लागत में कमी आई है।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल :**
- ठीक है। और महोदय, इस वर्ष या अगले साल के लिए प्रसार या मार्जिन के संबंध में कोई मार्गदर्शन?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- प्रसार में 2.68% तक का सुधार हुआ है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- पिछली 2 तिमाहियों में आप देखते हैं कि हमारे प्रसार ऊपर जा रहा है, जैसा कि हमने अपने पूर्ववर्ती कोन - कॉल में भी इसका उल्लेख किया। हमें लगता है कि हमें लगभग 2.50 - 2.60% के प्रसार को बनाए रखने के लिए तैयार स्थिति में होना चाहिए।
- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल :**
- धन्यवाद।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- आपका बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- आपका धन्यवाद। अगला प्रश्न यूबीएस सिक्योरिटीज के इशांक कुमार की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- नमस्कार। पहला प्रश्न यह है कि क्या इस तिमाही में ब्याज से होने वाली आय में किसी ब्याज आय को प्रत्यावर्तित किया गया है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- इस तिमाही में कोई प्रत्यावर्तन नहीं हुआ है।
- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- ठीक है। और दूसरी बात, क्या आप एसएमए ऋणों की संख्या साझा कर सकते हैं। अभी एसएमएक ऋणों की मात्रा क्या है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, अब हम भारतीय - मानक (इंड - एएस) पर काम कर रहे हैं। जैसा कि मैंने पहले बताया है कि यदि किसी परिसंपत्ति के भुगतान में 30 से अधिक दिनों की देरी होती है, तो इसे चरण 2 के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- वह 7,000 करोड़ रुपए है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हाँ।

- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- ठीक है। इसलिए वहां यह जोखिम है कि कुछ एसईबी आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान करने में देरी कर रहे हैं। क्या इसके कारण हम कुछ एसईबी में स्टेज 2 के ऋणों में कुछ बढ़ोतरी देख रहे हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- स्टेट पावर यूटिलिटीज?
- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- हाँ।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, वहां भुगतान मिलने में कुछ देरी है। लेकिन, अब तक कोई भी खाता एनपीए नहीं बन पाया है। मैं यह नहीं कह सकता, लेकिन हाँ, वहां कुछ देरी अवश्य हो सकती है। अन्यथा वे भुगतान करने में नियमित हैं।
- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- ठीक है, श्रीमान। और अंत में, इस आरईसी के विदेशी मुद्रा बांड पर, आज फाइनेंशियल एक्सप्रेस में एक लेख छपा है जिसमें कहा गया है कि सरकार आरईसी के प्रमोटर के रूप में बनी रह सकती है और पीएफसी सरकार की हिस्सेदारी खरीद लेगा, लेकिन आरईसी का प्रमोटर नहीं बनेगा। तो, क्या आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं? क्या इससे आरईसी के इस सक्रिय सरकारी नियंत्रण की समस्या हल हो सकती है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- ये केवल प्रेस क्लिपिंग हैं। हमें भी इसकी जानकारी नहीं है। हमें नहीं पता कि उन्हें यह खबर कहां से मिली है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हम मंत्रिमंडल के फैसलों के बारे में अवगत हैं कि प्रबंध नियंत्रण के साथ आरईसी का अधिग्रहण किया जाना है। अब आप बहुत अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि इसका - प्रबंधन नियंत्रण का क्या मतलब है। इसलिए हम इन प्रेस रिपोर्टों के बारे में अधिक टिप्पणी नहीं कर सकते हैं।
- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- ठीक है। महोदय, अगर वहां कोई प्रबंध नियंत्रण है, तो क्या आपको लगता है कि उस खंड के तहत विदेशी बांड धारक ऐसे बॉड डाल सकते हैं जो ट्रिगर हो जाएंगे, ठीक है ना?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- इसलिए मैंने उल्लेख किया कि आरईसी पहले से ही इस प्रक्रिया में है, या तो उन्हें उन बॉन्ड धारकों की सहमति लेनी होगी, या उन्हें इसका भुगतान करना पड़ सकता

है। इसलिए वे बांड धारकों से सहमति लेने की प्रक्रिया में हैं। और एक बार ऐसा हो जाने के बाद ही लेन-देन होगा।

- **श्री इशांक कुमार - यूबीएस सिक्योरिटीज :**
- ठीक है श्रीमान। मेरी तरफ से बस इतना ही।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न बी एंड के सिक्योरिटीज के अमित सिंह की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज:**
- महोदय यह अवसर देने के लिए धन्यवाद। मैं शुरुआती भाग से बंचित रह गया। स्लाइड 15 पर जहां आपने लगभग 3,500 करोड़ रुपए की 6 परियोजनाओं का उल्लेख किया है, जो एनसीएलटी चर्चा से बाहर हैं, जीएमआर छत्तीसगढ़ जिनमें से एकपरियोजना है। अन्य 5 परियोजनाएं कौन कौन सी हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- डैंस एनर्जी, शिगा एनर्जी, एस्सार ट्रांसमिशन, रतन इंडिया अमरावती और जीएमआर छत्तीसगढ़।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- सॉरी सर, लेकिन क्या आप इसे दोहरा सकते हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- डैंस एनर्जी, शिगा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, एस्सार पावर ट्रांसमिशन, जीएमआर छत्तीसगढ़, इंडिया पावर कॉर्पोरेशन हल्दिया।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- ठीक है। और महोदय, हमने उस चीज़ के ठीक नीचे एक और परियोजना का भी उल्लेख किया है, जहाँ हमारे पास लगभग 811 करोड़ रुपए का जोखिम है। वह प्रोजेक्ट क्या है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- जीवीके रेटले। यह जम्मू और कश्मीर में एक पनबिजली परियोजना थी।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- ठीक है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- यह वही परियोजना है जहां हमने उल्लेख किया है कि हम अगली तिमाही में कुछ उलटफेर (प्रत्यावर्तन) होने की उम्मीद कर रहे हैं।

- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- ठीक है। और महोदय, पिछली स्लाइड, स्लाइड 14 पर, जहां हमने उन 10 परियोजनाओं के बारे में उल्लेख किया है जहां आवेदन प्रस्तुत किया गया है लेकिन आपने उसे स्वीकार नहीं किया है। इसलिए इनमें से दो परियोजनाएं लैंको अमरकंटक और इंडियाबुल्स अमरावती हैं। क्या आप बता सकते हैं कि अन्य 8 परियोजनाएं कौन कौन सी हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- आरकेएम पॉवरजेन, हम इसका समाधान कर रहे हैं। इस आरकेएम पावरजेन को 2,500 मेगावाट क्षमता वाली पायलट योजना के तहत 550 मेगावाट क्षमता के लिए अतिरिक्त पीपीए मिल गया है। इसलिए हमने एनसीएलटी आवेदन प्रस्तुत किया, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- और महोदय, अन्य 7 परियोजनाएँ भी हैं।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- केएसके महानदी, इंडियाबुल्स नासिक, लैंको अमरकंटक, इंडियाबुल्स अमरावती, श्री महेश्वर हाइडल, एस्सार पावर, झाबुआ, केवीके नीलाचल और जल विद्युत।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- और सर, अंतिम रूप से, हमने 2 परियोजनाओं के बारे में भी उल्लेख किया है जहाँ एनसीएलटी के साथ परिसमापन का मामला दायर किया गया है, लेकिन अभी तक इसे स्वीकार नहीं किया गया है। परियोजना की लागत 1,635 करोड़ रुपए है। वो दो परियोजनाएं कौन सी हैं महोदय?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- ईस्ट कॉस्ट और इंड - बराथ, मद्रास।
- **श्री अमित सिंह - बी एंड के सिक्योरिटीज :**
- ठीक है सर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न एडलवाइस से कुणाल शाह की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- जी, हाँ। क्या आप जीएनपीएल के संचालन अर्थात उसकी अभिवृद्धि और उन्नयन के संदर्भ में प्रकाश डाल सकते हैं, जो वहां तिमाही के दौरान हुए हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**

- कोई नया एनपीए नहीं जोड़ा गया है।
- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- महोदय, कुछ भी उन्नति नहीं हुई है और कुछ भी अभिवृद्धि नहीं हुई है। उन्नयन पर प्रावधान कवरेज को प्रत्यावर्तित किया गया था। तो बस में इस बात की ही जाँच करना चाहता था...
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, सकल एनपीए 9.67% से घटकर 9.47% हो गया है। ऐसा केवल कुछ पुनर्भुगतानों के कारण ही होता है जो इन खातों में हुआ है। अन्यथा कोई अभिवृद्धि नहीं हुई है।
- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- परन्तु उन्नयन और कमी के संदर्भ में कुछ भी नहीं हुआ है? ठीक है। चरण 3 में जो कुछ भी है, इसके अलावा निजी क्षेत्र में जो भी शेष परिसंपत्तियां हैं, क्या वर्तमान में उनकी स्थिति 23,000 करोड़ रुपए के रूप में विषम है, क्या आप उनमें से किसी में कोई तनाव देश रहे है या उनमें कोई अन्य उभरता हुआ तनाव दिखाई दे रहा है। 28,000 की स्थिति वहां बहुत स्पष्ट है, जहाँ उनका निराकरण और प्रावधान विभिन्न चरणों पर है, इसलिए उनका संदर्भ बहुत स्पष्ट हैं। लेकिन बकाया 23,000 के बारे में हम क्या सोचते हैं? क्या वहां कोई जोखिम है जो इसमें में से किसी में भी उभर कर सामने आ रहा हो?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हमें कोई समस्या नहीं दिख रही है।
- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- ठीक है। और तीसरा प्रश्न यह है कि आरईसी के इस अधिग्रहण के बाद हो सकता है कि तब दोनों एक ही प्रबंधन के अधीन होंगे, क्या हम उन अंतरालों / कैपों के संदर्भ में कोई जोखिम देखते हैं, जो उस समय एक्सपोज़र के संदर्भ में होंगे या शायद किसी विशेष इकाई स्तर के जोखिम के रूप में बैंकों द्वारा प्रस्तुत किए जाएं या शायद ऋण बाजार को लेकर और सभी के संदर्भ में हो सकते होंगे? और उधारी के पक्ष में, कुछ अड़चनें आ सकती है क्योंकि अब यह एक बहुत बड़ी इकाई होगी और कुल मिलाकर धन की आवश्यकता भी तुलनात्मक रूप से अधिक होगी। क्या उस मोर्चे पर कोई जोखिम है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हमें इन पहलुओं पर किसी भी जोखिम की उम्मीद नहीं है। बेशक, उनकी व्यक्तिगत और समूहिक सीमाएँ अवश्य हैं। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि हमारे पास बहुत अधिक वैकल्पिक स्रोत (कुशन) हैं और हमें उस मुद्दे के बारे में कोई भी समस्या उत्पन्न होने की उम्मीद नहीं हैं।

- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- ठीक है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- और अधिक से अधिक बैंक पीसीए से बाहर आ रहे हैं। लिहाजा, पसंद भी बढ़ रही है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- यदि आप पीएफसी और आरएफसी का इतिहास देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि वे कभी भी बैंकों से उधार नहीं लेते रहे हैं। बैंकों से उधार लेने में हमारा हिस्सा बहुत कम था, जिसमें अब थोड़ा सुधार हुआ है। लेकिन फिर भी, हमारे पास बहुत सारे विकल्प (कुशन) उपलब्ध हैं।
- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- लेकिन अन्यथा, यहां तक कि ऋण बाजार में भी जब हम देखते हैं ... अब तक ये दो अलग-अलग इकाइयाँ थीं और बॉन्ड और डिबेंचर के लिए सब्सक्राइबर को शायद सीमाएँ उपलब्ध रही होंगी। लेकिन अब, इसके एकल इकाई हो जाने से क्या हम यह नहीं देखते हैं कि शायद ऋण बाजार से भी उधार लेने की क्षमता कम हो सकती है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, हम व्यक्तियों, संस्थानों आदि के जोख़िम (एक्सपोज़र) पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। लेकिन अगर ऐसी स्थिति आती है, तो हमारे पास अन्य रास्ते भी हैं। जैसे, इस बार हमने वित्त मंत्रालय से भी धन उधार लिया है। इसलिए हमारे पास अलग-अलग रास्ते हैं जिनकी हम तलाश कर रहे हैं और हम उधार लेना जारी रखेंगे।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- उन्होंने एलआईसी से उधार लिया है। दोनों कंपनियों को 54 ईसी कैपिटल गेन टैक्स बॉन्ड से भी अच्छी रकम मिल रही है।
- **श्री कुणाल शाह - एडलवाइस:**
- ठीक है, बहुत बहुत धन्यवाद।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न ड्यूश बैंक के शिरीन सराबा की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री शिरीन सराबा - ड्यूश बैंक:**
- सभी को नमस्कार। इस अवसर के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। मेरे कुछ अर्थात केवल दो प्रश्न हैं। मैं बॉन्ड मार्केट के बाहर फ़ंडिंग के विभिन्न स्रोतों तक पहुँचने के लिए विद्युत क्षेत्र के वित्तपोषण पर आपकी टिप्पणियों की सराहना करता हूँ। लेकिन, क्या आप केवल

इस बात की पुष्टि कर सकते हैं, जब आरईसी के सौदे के लिए वित्तपोषण करने की बात आती है, तो क्या यह मान लेना सुरक्षित है कि पूरी राशि का वित्तपोषण पावर फाइनेंस द्वारा विभिन्न स्रोतों से उधार लेकर किया जाएगा, या कोई निश्चित हिस्सा ऐसा होगा जिसके बारे में आप हमें बता सकते हैं कि वह हिस्सा कौन सा हैं जिसके लिए आप आंतरिक संसाधनों का उपयोग करेंगे और जो आपके पास पहले से है? यह पहला प्रश्न है। दूसरा प्रश्न यह है कि क्या होने की जरूरत है और कब तक हो सकता है कि आप खरीद की राशि की घोषणा कर सकते हैं? आरईसी लिमिटेड के लिए आप कितना भुगतान करेंगे? और अंत में, आरईसीएल द्वारा मांगे गए नियंत्रण के परिवर्तन पर एक और प्रश्न था, लेकिन आरईसीएल बांड धारकों से उस सहमति की घोषणा कब करेगा?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- ठीक है। यह सौदा हमारे आंतरिक संसाधनों से और बाजार से ऋण लेकर वित्तपोषित किया जाएगा। यह आपका पहला प्रश्न था। और सौदे के लिए भुगतान की जाने वाली राशि अभी तक स्पष्ट नहीं है। देश के वित्त मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति है जिसमें दो अन्य मंत्री भी शामिल हैं - हमारे विद्युत मंत्री और साथ ही श्री गडकरी (सड़क और परिवहन मंत्री)। यह समिति सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्णय करेगी। आरईसी ने पहले से ही मूल्यांकनकर्ताओं को नियुक्त कर लिया है और पीएफसी ने भी अपने मूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति कर ली है। इस प्रकार, अंततः जब उस उच्च स्तरीय समिति द्वारा सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा, तभी हमें सौदे के सटीक मूल्य निर्धारण का पता चल पाएगा। नियंत्रण परिवर्तन के संबंध में, पहले से ही आरईसी ने बैंकरों और कानूनी सलाहकारों की नियुक्ति कर ली है। वे पहले से ही नियंत्रण के इस बदलाव पर काम कर रहे हैं। वे इस प्रस्ताव पर अग्रिम चरण में कार्य कर रहे हैं। जैसे ही हमें पता चल जाएगा, तभी सौदे को बंद किया जा सकेगा।
- **श्री शिरीन सराबा - ड्यूश बैंक:**
- ठीक है मैं समझ गया। लेनदेन के वित्तपोषण के संदर्भ में आपने कहा कि ऋण हिस्सा आंतरिक संसाधनों से पूरा होगा। तो, इस सौदे के लिए पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन ने पहले से कितने आंतरिक संसाधनों से पूरा कर लिया है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हम विशेष रूप से आपको अभी आंकड़े नहीं दे सकते हैं क्योंकि हमें अपने ऋणकर्ताओं से धनराशि वापस मिल रही है। इसलिए उस हिस्से का उपयोग इस लेनदेन के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। और शेष राशि, हम उधार लेंगे। लेकिन मैं आपको सटीक आंकड़े नहीं दे सकता हूं।

- **श्री शिरीन सराबा - ड्यूश बैंक:**
- मै समझता हूं। ठीक है, बहुत बहुत धन्यवाद।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- आपका बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न जेफरीज के नीलांजन करफा की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री नीलांजन करफा - जेफरीज एंड कंपनी:**
- हाय सर, बस एक प्रश्न। आरईसी के इस अधिग्रहण के बाद, क्या पीएफसी को प्रमोटर का दर्जा दिया जाएगा? क्या इसे प्रमोटर के रूप में माना जाएगा या नहीं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- मुझे लगता है कि दिसंबर में आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति के निर्णय में स्पष्ट रूप से यह बताया गया है कि यह प्रबंध नियंत्रण के साथ-साथ पीएफसी द्वारा आरईसी में भारत सरकार (जीओआई) के शेयरों का अधिग्रहण है। इसका क्या मतलब है?
- **श्री नीलांजन करफा - जेफरीज एंड कंपनी:**
- मैं नहीं जानता महोदय। वहां बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही हैं और इसीलिए वहां यह प्रश्न उठ रहा है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हमें उस पर कोई संदेह नहीं है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- प्रेस लिखता रह सकता है, लेकिन हम इसमें स्पष्ट हैं।
- **श्री नीलांजन करफा - जेफरीज एंड कंपनी:**
- महोदय, आपको प्रमोटर का दर्जा दिया जाएगा, ठीक है ना? क्या आप यही कह रहे हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- मुझे ऐसा लगता है।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- पीएफसी के मामले में दीर्घकालिक प्रबंध नियंत्रण पर मंत्रिमंडल बहुत स्पष्ट है। अगर आपको याद हो तो ओएनजीसी और एचपीसीएल का भी एक मामला सामने आया था, जहाँ प्रबंध नियंत्रण के लिए प्रोमोटर वाला यह खंड नहीं था, फिर भी सरकार ने संकेत दिया था कि ओएनजीसी को प्रोमोटर माना जाना चाहिए। लेकिन हमारे मामले में शुरू से ही यह बहुत स्पष्ट है, ठीक है ना?
- **श्री नीलांजन करफा - जेफरीज एंड कंपनी:**
- शुक्रिया महोदय! बहुत बहुत धन्यवाद। बहुत स्पष्ट। धन्यवाद।

- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न एसबीआई म्यूचुअल फंड्स के संकल्प जैन की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री संकल्प जैन - एसबीआई म्यूचुअल फंड:**
- महोदय, क्या आरईसी के पीएफआई के दर्जे के बारे में कोई स्पष्टीकरण है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- वे पीएफआई बने रहेंगे। डीआईपीएएम द्वारा पहले ही आरबीआई को इस बारे में सूचित कर दिया गया है।
- **श्री संकल्प जैन - एसबीआई म्यूचुअल फंड:**
- आरईसी के लिए विशेष रूप से, महोदय?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- दोनों पीएफआई बने रहेंगे।
- **श्री संकल्प जैन - एसबीआई म्यूचुअल फंड:**
- ठीक है। धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न वेल्स फारगो सिक्योरिटीज के एरिक लियू की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री एरिक लियू - वेल्स फारगो सिक्योरिटीज:**
- हैलो क्या आप मुझे सुन सकते हैं!
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- जी, हाँ।
- **श्री एरिक लियू - वेल्स फारगो सिक्योरिटीज:**
- मुझे क्षमा करें, लेकिन बीच में ही मेरा फोन कुछ समय के लिए हटा दिया गया था। इसलिए मुझे यकीन नहीं है कि आपने इस प्रश्न का जवाब दिया है। मेरा प्रश्न पावर फाइनेंस द्वारा किए जा रहे अधिग्रहण पर है, लेकिन क्रेडिट रेटिंग पक्ष पर अधिक है। अब तक आपने उल्लेख किया है कि आप आंतरिक पूंजी और ऋण दोनों के माध्यम से सौदे के लिए हिस्सों का वित्तपोषण करेंगे। लेकिन क्या आप शेयर बाजार से इक्विटी बढ़ाने पर विचार करेंगे, क्योंकि अभी मेरी समझ में यह है कि आप फंडिंग का जो भी आंतरिक स्रोत इस्तेमाल करते हैं या कर्ज लेते हैं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। वे आपके पूंजी अनुपात को भी कम कर देंगे। एक और बात है, मैं बस सोच रहा था, जब आपने उल्लेख किया था कि आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार टियर 1 पूंजी को बनाए रखा

जाएगा। लेकिन कुल पूंजी अनुपात के बारे में इसे कैसे बनाए रखा जाएगा? आपने उल्लेख किया है कि आपने टियर 2 पूंजी जुटाने की भी कोशिश की है, ठीक है ना?

- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, हम अल्पावधि में इक्विटी के माध्यम से कोई और निधियां जुटाने की उम्मीद नहीं कर रहे हैं। मैंने कहा, तत्काल हम कोई बड़ा बदल या निवेश नहीं कर रहे हैं। यदि ऐसी कोई स्थिति बाद में उत्पन्न होती है तो हम केवल उसी समय तय करेंगे। लेकिन जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, हम अपने व्यापार के विकास का ध्यान रखने के लिए हमारी टियर 1 पूंजी में पर्याप्त प्रावधान (कुशन) बनाए रखने की अपेक्षा कर रहे हैं। इसलिए जब कोई स्थिति पैदा होती है, तो हम इक्विटी बढ़ाएंगे, लेकिन तुरंत नहीं।
- **श्री एरिक लियू - वेल्स फारगो सिक्योरिटीज:**
- ठीक है। लेकिन अगर मामला वैसा है, तो क्या रेटिंग एजेंसी भी इस ऋण पर विचार करेगी या आप पूंजी के आंतरिक स्रोत का ही उपयोग करेंगे, ठीक है ना? आप इसे कैसे परिभाषित करेंगे?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- हमने उल्लेख किया है कि हमें हमारे ऋणकर्ताओं से निधियां मिल रहे हैं। तो उस पैसे का कुछ हिस्सा इस अधिग्रहण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इसके साथ ही, हम इसके वित्तपोषण के लिए डेप्ट मार्केट से पैसा जुटाएंगे, परन्तु इक्विटी से नहीं।
- **श्री एरिक लियू - वेल्स फारगो सिक्योरिटीज:**
- मेरी चिंता यह है कि, रेटिंग एजेंसी तो पूरी तरह से उम्मीद करती है ... । मेरा मतलब यह है कि वे पावर फाइनेंस के लिए अपने पूंजीकरण अनुपात पर ध्यान केंद्रित करते हैं, इससे बैंडविड्थ को ट्रिगर करेगा। लेकिन, मैंने अपने पिछले प्रश्न में उल्लेख किया है कि यदि आप पूंजी के आंतरिक स्रोत का उपयोग निधियन के लिए करते हैं, तो इससे आपको ऋण बाजार से निधियां जुटाने की तुलना में कोई फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि इससे आपकी पूंजी के पर्याप्तता में कमी के स्तर पर समान प्रभाव ही पडेगा।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- देखिए, हम बहुत स्पष्ट नहीं हैं कि यदि हम ऋण बाजार से निधियां जुटते हैं, तो यह हमारी पूंजी पर्याप्तता को कैसे प्रभावित करेगा? क्योंकि आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, पूंजी पर्याप्तता का नियम बहुत स्पष्ट है। यदि मैं अपने निवल मूल्य के 10% से अधिक का निवेश करता हूं, तो उसे हमारे नेट वर्थ टियर 1 मूल्य से घटाया जाएगा। और इन सभी अनुपातों को पूरा करने के बाद, हमें लगता है कि यह विनियामक आवश्यकताओं यानी 10% से ऊपर होगा और मेरी व्यापार वृद्धि का भी पर्याप्त ध्यान

रखेगा। इसलिए, मुझे नहीं लगता है कि किसी भी फंड को बढ़ाने से हमारी पूंजी पर्याप्तता पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

- **श्री एरिक लियू - वेल्स फारगो सिक्योरिटीज:**
- ठीक है। तो मेरा आखिरी प्रश्न यह है कि क्या आपके पास कुल पूंजी अनुपात के अधिग्रहण के बाद का कोई अनुमान है?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- सटीक संख्या हम नहीं बता सकते हैं। लेकिन, हम अधिग्रहण के बाद सहज होंगे और हमारे व्यापार के लिए हमारी पूंजी पर्याप्तता पर्याप्त होगी।
- **श्री एरिक लियू - वेल्स फारगो सिक्योरिटीज:**
- ठीक है धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- धन्यवाद। अगला प्रश्न मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के ध्रुव मुछाल की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें।
- **श्री ध्रुव मुच्छल - मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज:**
- महोदय, मेरे सवालों का जवाब दे दिया गया है। बहुत बहुत धन्यवाद।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- अगला प्रश्न यूबीएस सिक्योरिटीज के मनोज जैन की लाइन से है। कृपया आगे बढ़ें। श्री जैन, आप अपना प्रश्न कर सकते हैं। लगता है मनोज जैन की लाइन से कोई जवाब नहीं मिल रहा है। हम अगले प्रश्न पर जाएँगे, जो दाईवा कैपिटल की मेघना लूथरा की लाइन से है।
- **सुश्री मेघना लूथरा - दाईवा कैपिटल :**
- धन्यवाद। महोदय, आईएल एंड एफएस एक्सपोजर के संबंध में सिर्फ एक प्रश्न। हमारे एक्सपोजर की स्थिति क्या होगी?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- दरअसल, आईएन एंड एफएस ने इन एसपीवी के दिवालिएपन (सॉल्वेंसी) का आकलन करने के लिए एजेंसी नियुक्त की। और मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारी सभी परियोजनाएं जिन्हें हमने वित्तपोषित किया हैं, वे व्यवहार्य पाई गई हैं। और हमें नियमित रूप से पुनर्भगतान किया जा रहा है। इनमें कोई समस्या नहीं हैं। यहां तक कि पवन परियोजनाओं के टीआरए खाते में भी 175 करोड़ रुपए की धनराशि हमारे पास पड़ी है। बस आपको केवल अवगत कराने के लिए है कि हमने दो ट्रांसमिशन परियोजनाओं

को वित्तपोषित किया है। एक है इंडो नेपाल लाइन, जो आईएन एंड एफएस और पॉवर ग्रिड का संयुक्त उपक्रम है। एक अन्य पलटन ट्रांसमिशन लाइन्स है, जो पुन: ओएनजीसी, पावरग्रिड और आईएन एंड एफएस का संयुक्त उपक्रम है। हमें नियमित रूप से भुगतान किया जा रहा है क्योंकि दो ट्रांसमिशन लाइनें, एक नेपाल को बिजली निर्यात कर रही है और दूसरी बंगलादेश को। अन्य सभी परिसंपत्तियां पवन परियोजनाएं हैं, जिनके पास पीपीए हैं और हमें नियमित रूप से भुगतान किया जा रहा है। हमें भुगतान करने के लिए टीआरए में पर्याप्त राजस्व उपलब्ध है।

- **सुश्री मेघना लूथरा - दाईवा कैपिटल :**
- ठीक है। तो क्या हमारे पास एस्क्रो तंत्र उपलब्ध है या वे नियमित रूप से भुगतान कर रहे हैं?
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- टीआरए खाता हमारे द्वारा प्रबंधित किया जाता है। इसलिए सभी राजस्व टीआरए खाते में ही आते हैं, जहां हमें भुगतान प्राप्त होता है।
- **सुश्री मेघना लूथरा - दाईवा कैपिटल :**
- ठीक है, यह सही है। धन्यवाद।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- बहुत बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- आपका बहुत बहुत धन्यवाद। समय की कमी के कारण, हम इसे अंतिम प्रश्न के रूप में लेंगे। मैं अब समापन की टिप्पणी के लिए संचालन का दायित्व प्रबंधन टीम को वापस सौंपना चाहूंगा।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आशा है कि हम अपने निवेशकों की संतुष्टि के अनुरूप उनके सवालों के जवाब दे पाए। हमें दोबारा यह मौका देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
- **ऑपरेटर :**
- आपका बहुत बहुत धन्यवाद। प्रभुदास लीलाधर की ओर से, इस प्रकार कान्फ्रेंस कॉल का समापन होता है। हमें समय देने के लिए देवियों और सज्जनों का धन्यवाद। अब आप अपनी लाइनें काट सकते हैं।
- **प्रबंधन - पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड :**
- आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

***